प्रेषक,

**मिशन निदेशक,**
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0
विशाल काम्प्लेक्स, 19–ए, विधान सभा मार्ग,
लखनऊ।

सेवा मे,

**मुख्य चिकित्सा अधिकारी,**
लखनऊ।

**पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0 / नियोजन / 39 / सपो.सु.वि. / 2018–19 /** 3015 **दिनांक :** 22/06/18

**विषयः–सपोर्टिव सुपरविजन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय दल द्वारा किये गये पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।**

**महोदय,**

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 के पत्रांक एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / एम.एण्ड.ई / 2018–19 / 18 / 565–2 दिनांक 24.04.2018 एवं पत्रांक एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / एम.एण्ड.ई. / 2018–19 / 18 / 896–2 दिनांक 04.05.2018 में प्रदत्त निर्देशानुसार दिनांक 30.05.2018 से 01.06.2018 के मध्य राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद–लखनऊ की कतिपय चिकित्सा इकाइयो का स्थलीय पर्यवेक्षण किया गया। पर्यवेक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गई है, जो पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

आपसे अपेक्षा है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर कार्यवाही करते हुए अनुपालन आख्या एस0पी0एम0यू0 कार्यालय को प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नक : उपर्युक्तानुसार।

भवदीय

(डॉ0 बी0एस0 अरोड़ा)
राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक

**पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0 / नियोजन / 39 / सपो.सु.वि. / 2018–19 /** **दिनांक :**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषितः–

1. मिशन निदेशक–राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
2. मण्डलीय अपर निदेशक–चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, लखनऊ मण्डल।
3. वित्त नियंत्रक / अधिशासी अभियन्ता / समस्त महाप्रबन्धक / अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, लखनऊ।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक लखनऊ मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
5. जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक लखनऊ मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

(डॉ0 बी0एस0 अरोड़ा)
राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक

प्रेषक,

**मिशन निदेशक,**
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0
विशाल काम्प्लेक्स, 19–ए, विधान सभा मार्ग,
लखनऊ।

सेवा मे,

**मुख्य चिकित्सा अधिकारी,**
लखनऊ।

पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0 / नियोजन / 39 / सपो.सु.वि. / 2018–19 / दिनांक : 22/06/18

**विषयः–सपोर्टिव सुपरविजन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय दल द्वारा किये गये पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 के पत्रांक एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / एम.एण्ड.ई / 2018–19 / 18 / 565–2 दिनांक 24.04.2018 एवं पत्रांक एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / एम.एण्ड.ई. / 2018–19 / 18 / 896–2 दिनांक 04.05.2018 में प्रदत्त निर्देशानुसार दिनांक 30.05.2018 से 01.06.2018 के मध्य राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद–लखनऊ की कतिपय चिकित्सा इकाइयो का स्थलीय पर्यवेक्षण किया गया। पर्यवेक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गई है, जो पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

आपसे अपेक्षा है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर कार्यवाही करते हुए अनुपालन आख्या एस0पी0एम0यू0 कार्यालय को प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नक : उपर्युक्तानुसार।

भवदीय

**(डॉ0 बी0एस0 अरोड़ा)**
राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक

पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0 / नियोजन / 39 / सपो.सु.वि. / 2018–19 / 3015-5 दिनांक :
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषितः–

1. मिशन निदेशक–राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
2. मण्डलीय अपर निदेशक–चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, लखनऊ मण्डल।
3. वित्त नियंत्रक / अधिशासी अभियन्ता / समस्त महाप्रबन्धक / अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, लखनऊ।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक लखनऊ मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
5. जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक लखनऊ मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

**(डॉ0 बी0एस0 अरोड़ा)**
राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक

# सहयोगात्मक पर्यवेक्षण आख्या जनपद–लखनऊ

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम.एण्ड.ई/2018–19/**18/565–2 दिनांक 24.04.2018 एवं पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम.एण्ड.ई./2018–19/18/896–2 दिनांक 04.05.2018** में प्रदत्त निर्देशानुसार दिनांक 30.05.2018 से 01.06.2018 के मध्य जनपद–लखनऊ की निम्न चिकित्सा इकाइयों/सामुदायिक स्तर के कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण किया गया–

राज्य स्तरीय टीम के सदस्य–

- **श्रीमती पल्लवी पाण्डेय, परामर्शदाता–प्रोक्योरमेन्ट, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, लखनऊ।**
- **श्रीमती रश्मि सिन्हा, प्रोग्राम असिस्टेन्ट–प्लानिंग, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, लखनऊ।**

दल द्वारा पर्यवेक्षण के दौरान आच्छादित की गई इकाइयां/गतिविधियां–

1. डी0पी0एम0यू0 कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक।
2. वीरांगना अवन्ती बाई महिला चिकित्सालय, लखनऊ।
3. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–माल, जनपद–लखनऊ।
4. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–चिनहट, जनपद–लखनऊ।
5. नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उजरियांव, जनपद–लखनऊ।
6. ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, मिर्जापुर (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र माल के अंतर्गत)

प्रथम दिवस–30.05.2018

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला लेखा प्रबन्धक एवं डी0सी0पी0एम0 के साथ भ्रमण के उद्देश्यों के सम्बन्ध में बैठक की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–माल एवं वी0एच0एन0डी0 सत्र–मिर्जापुर का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया।

द्वितीय दिवस–31.05.2018

मुख्य चिकित्सा अधिकारी–लखनऊ के साथ बैठक की गई। तत्पश्चात वीरांगना अवन्ती बाई महिला चिकित्सालय का भ्रमण किया गया।

तृतीय दिवस–01.06.2018

अरबन ई–पी0एच0सी0 उजरियांव एवं सी0एच0सी0–चिनहट का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया।

| अवलोकित गतिविधियां | सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही | कार्यवाही का स्तर |
|---|---|---|
| दिनांक 30.05.2018<br>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–माल | | |
| सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की बिल्डिंग काफी पुरानी है तथा मानव संसाधन की भी कमी है। विद्युत आपूर्ति लगभग 12 घण्टे नहीं रहती है, जेनरेटर एवं इन्वर्टर से काम चलता है। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को इस आशय का पत्र सम्बन्धित महानिदेशालय को प्रेषित करने तथा पत्र की प्रतिलिपि एस0पी0एम0यू0 कार्यालय को प्रेषित करने हेतु अनुरोध किया गया, ताकि इन समस्याओं का | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी |

| | | |
|---|---|---|
| | निराकरण शीघ्र हो सके। | |
| श्री अनूप द्विवेदी, कोल्ड चेन हैण्डलर उपलब्ध थे, आई0एल0आर0–2 थे। FIFO & FEFO की जानकारी थी। एच0बी0एन0सी0 की ट्रेनिंग चल रही थी एवं पी0पी0आई0यू0सी0डी0 की ट्रेनिंग हो गई थी। 10 ए0एन0एम0 संविदा पर कार्यरत हैं तथा 19 ए0एन0एम0 नियमित तैनाती की हैं। | | |
| प्रसव कक्ष में स्टाफ नर्स द्वारा प्रसव कराया जा रहा था। समस्त आवश्यक औषधियां एवं उपकरण उपलब्ध थे। | | |
| एम0सी0टी0एस0 ऑपरेटर श्री देवेन्द्र कुमार उपस्थित थे, उनके द्वारा समस्त सूचनायें पोर्टल पर सुचारु रूप से भरी जा रहीं थीं। वैलिडेशन कमेटी की बैठक दिनांक 03.05.2018 को हुई है, यह बैठक प्रतिमाह नियमित रूप से हो रही है। उक्त बैठक का कार्यवृत्त रजिस्टर पर अंकित किया जा रहा था। एच0एम0आई0एस0 प्रपत्र की छपाई हो गई थी, तथा सम्बन्धित को वितरित भी कर दिया गया है। | | |
| बायोमेडिकल वेस्ट रजिस्टर भी देखा गया, वेस्ट निस्तारण सुचारु रूप से नहीं किया जा रहा था, जिसके लिए कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक है। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से अनुरोध किया गया कि सुचारु रूप से वेस्ट निस्तारण हेतु कर्मियों को प्रशिक्षित करवायें। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / महाप्रबन्धक–आयुष |
| वी0एच0एस0एन0सी0 का गठन 78 के लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 15 हुआ है। अवगत कराया गया कि ग्राम प्रधान रुचि नहीं ले रहें हैं। | ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर को सुझाव दिया गया कि वे ग्राम प्रधान से समन्वय कर वी0एच0एस0एन0सी0 का गठन करायें। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / महाप्रबन्धक–कम्युनिटी प्रोस्सेस |
| आर0बी0एस0के0 टीम भ्रमण पर थी। बी0सी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि लगभग 60 बच्चे प्रति विजिट संदर्भित किये जाते हैं। | | |

| | | |
|---|---|---|
| डॉ0 प्रियंका मौर्या, आयुष डॉक्टर मौजूद थीं। आयुष ओ0पी0डी0 हेतु एक पृथक कमरा उपलब्ध था। आयुष औषधि उपलब्ध थीं तथा उनका रख–रखाव सुचारु रूप से किया जा रहा था, जिसके लिए पृथक स्टॉक बुक रजिस्टर उपलब्ध था। | | |
| बी0सी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि 172 के लक्ष्य के सापेक्ष 168 आशा कार्यरत हैं। शेष 4 आशाओं का चयन हो गया है, परन्तु अभी प्रशिक्षण प्रदान नहीं किया गया है। समस्त आशाओं को भुगतान कर दिया गया है।<br>6–7 मॉड्यूल के तृतीय चरण का प्रशिक्षण चल रहा है। 60 आशायें प्रशिक्षित हो गई हैं तथा 30 का प्रशिक्षण चल रहा है।<br>आशा डायरी उपलब्ध नहीं थी। पूर्व त्रैमास में रोगी कल्याण समिति की शासी निकाय की एक बैठक सम्पन्न की गई। अवगत कराया गया कि इस त्रैमास हेतु दिनांक 31.05.2018 को रोगी कल्याण समिति की शासी निकाय की बैठक प्रस्तावित है।<br>बी0सी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि टी0ए0, कम्युनिकेशन आदि का अप्रैल, 2018 तक का भुगतान कर दिया गया है। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी | महाप्रबन्धक–कम्युनिटी प्रोस्सेस / प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / बी0सी0पी0एम0 |
| **वी0एच0एन0डी0–सत्र मिर्जापुर** | | |
| वी0एच0एन0डी0–सत्र मिर्जापुर में उपस्थित आशा के पास 'आशा डायरी' काफी पुरानी है इस वर्ष नहीं मिली है। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को इस सम्बन्ध में अवगत कराया गया तथा कहा गया कि वे अतिशीघ्र डायरी प्रिन्ट करवायें। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / बी0सी0पी0एम0 |
| आइस बॉक्स में टीकाकरण सामग्री सुचारु रूप से नहीं रखी थीं। रोटा वायरस का प्रशिक्षण नहीं हुआ था। | इस सम्बन्ध में कोल्ड चेन हैण्डलर को निर्देशित किया गया कि वे ए0एन0एम0 को टीकाकरण सामग्री के सुचारु रूप से रख–रखाव एवं अन्य आवश्यक प्रशिक्षण करवायें। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / कोल्ड चेन हैण्डलर / बी0सी0पी0एम0 |
| नियमित टीकाकरण का माइक्रोप्लान श्रीमती शीलावती, ए0एन0एम0 के पास मौजूद नहीं था। | ए0एन0एम0 को नियमित रूप से माइक्रोप्लान बनाने हेतु निर्देशित किया गया तथा बी0सी0पी0एम0 को नियमित रूप से इसका अनुश्रवण करने को कहा गया। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / डी0सी0पी0एम0 / बी0सी0पी0एम0 |
| वी0एच0एन0डी0–सत्र मिर्जापुर में | ए0एन0एम0 को निर्देशित किया | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / |

| | | |
|---|---|---|
| जिंक की गोली उपलब्ध नहीं थी। ए0एन0एम0 को ब्लड प्रेशर नापना नहीं आता था। वेइंग मशीन उपलब्ध नहीं थी। | गया कि वे सत्र से पूर्व आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। यदि औषधि उपलब्ध नहीं है, तो बी0सी0पी0एम0 को अवगत करायें। बी0सी0पी0एम0 से कहा गया कि वे ए0एन0एम0 को ब्लड प्रेशर नापने हेतु प्रशिक्षित करवायें। साथ ही वी0एच0एन0 डी0–सत्र पर वेइंग मशीन सक्षम स्तर से उपलब्ध करवाये। | डी0सी0पी0एम0 / बी0सी0पी0एम0 |
| **दिनांक 01.06.2018–अरबन ई–पी0एच0सी0 उजरियांव** | | |
| डॉ0 पद्मजा, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया कि वे ही एकमात्र डॉक्टर पी0एच0सी0 के लिए हैं, इससे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, यदि आकस्मिकता की स्थिति में उनको छुट्टी चाहिए होती है, तो ई–पी0एच0सी0 की देखभाल नर्सों द्वारा की जाती है। उनके द्वारा अनुरोध किया गया कि 1 अन्य डॉक्टर की तैनाती आवश्यक है। पैथॉलॉजी में ए0सी0 की आवश्यकता बताई गई।<br>आर0एम0एन0सी0एच0ए0 सेवाओं हेतु गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, आयरन एवं पोषण उपलब्ध कराया जा रहा था।प्रसवोत्तर देखभाल हेतु सेवायें एवं सुविधायें उपलब्ध कराई जा रहीं थी।<br>परिवार कल्याण सेवाओं हेतु काउन्सिलिंग एवं सेवायें तथा स्थाई विधियों हेतु संदर्भन किया जा रहा था। ओ0पी0डी0 सेवायें सुचारु रूप से उपलब्ध कराई जा रही थी। पैथॉलॉजी जांच सेवायें सुचारु रूप से उपलब्ध कराई जा रहीं थीं। | उनको सुझाव दिया गया कि वे इन तथ्यों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी–लखनऊ के संज्ञान में लायें। | सी0एम0ओ0–लखनऊ / महाप्रबन्धक–एन0यू0एच0एम0 |
| **सी0एच0सी0–चिनहट** | | |
| श्रीमती अर्चना बी0सी0पी0एम0 उपलब्ध थीं। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि 76 आशायें कार्यरत हैं। आशा डायरी एवं वाउचर वर्तमान में उपलब्ध नहीं है। आशाओं के बैठने की कोई व्यवस्था नहीं है, अतः इनके लिए एक पृथक कमरे की आवश्यकता है। | बी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि वे इस सम्बन्ध में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से मुख्य चिकित्सा अधिकारी–लखनऊ को पत्र प्रेषित करें। | सी0एम0ओ0–लखनऊ / महाप्रबन्धक–कम्युनिटी प्रोस्सेस |

| | | |
|---|---|---|
| प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि सी0एच0सी0 पर मात्र एक स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं एक बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध है, अतः रात्रि की ड्यूटी के लिए एक–एक अन्य स्त्री एवं बाल रोग विशेषज्ञों की आवश्यकता है। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से अनुरोध किया गया कि वे चिकित्सकों की उपलब्धता के सम्बन्ध में पत्र सी0एम0ओ0–लखनऊ को प्रेषित करें। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / सी0एम0ओ0–लखनऊ |
| चतुर्थ श्रेणी कर्मी एवं सुरक्षा कर्मी नहीं है। | इस सम्बन्ध में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से कहा गया कि सम्बन्धित महानिदेशालय को चतुर्थ श्रेणी कर्मी एवं सुरक्षा कर्मी की मांग हेतु पत्र प्रेषित करें। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी |
| बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण सुचारु रूप से नहीं किया जा रहा है। | साथ ही बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण हेतु सम्बन्धित कर्मियों को प्रशिक्षित करायें। | महाप्रबन्धक–आयुष |
| 102 / 108 सेवाओं की नियमित रूप से मॉनीटरिंग की आवश्यकता है एवं इन वाहनों के उपकरण / औषधियों की भी जांच करने की आवश्यकता है। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से कहा गया कि इस सम्बन्ध में पत्र जीवीके–ईएमआरआई को तथा पत्र की प्रतिलिपि एस0पी0एम0यू0 कार्यालय को प्रेषित करें। | उपमहाप्रबन्धक–ई0एम0टी0एस0 |
| कोल्ड चेन कक्ष में श्री विनोद श्रीवास्तव, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक द्वारा 2 ए0सी0 की आवश्यकता बताई गई। | स्वास्थ्य पर्यवेक्षक से कहा गया कि प्रभारी चिकित्सा अधिकारी स्तर से राज्य स्तर पर मांग पत्र प्रेषित करवायें। | महाप्रबन्धक–आर0आई0 / प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / स्वास्थ्य पर्यवेक्षक |
| डॉ0 रूपेन्द्र सोनोलॉजिस्ट द्वारा परिवार नियोजन / पी0सी0पी0एन0डी0टी0 कार्यक्रम की आई0ई0सी0 की आवश्यकता बताई गई। | इस सम्बन्ध में उनसे कहा गया कि इस सम्बन्ध में एस0पी0एम0 यू0 कार्यालय के आई0ई0सी0 अनुभाग को पत्र प्रेषित करें। | महाप्रबन्धक–आई0ई0सी0 / महाप्रबन्धक–परिवार नियोजन |
| लेबर रूम में सुश्री अर्चना मिश्रा, स्टॉफ नर्स एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे, उनके द्वारा प्रसव कराया जा रहा था। उन्होंने अवगत कराया गया कि ऑटोक्लेव मशीन 2 हैं, परन्तु एक क्रियाशील है, जिससे जब अधिक संख्या में प्रसूतायें प्रसव के लिए आती हैं, तो कार्य मे विपरीत प्रभाव पड़ता है। अन्य समस्त आवश्यक औषधियां एवं उपकरण उपलब्ध थे। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी | सी0एम0ओ0–लखनऊ |
| औषधि वितरण कक्ष में श्रीमती गरिमा श्रीवास्तव, फार्मेसिस्ट मौजूद थीं, उन्होंने अवगत कराया कि समस्त आवश्यक औषधियां उपलब्ध हैं, केवल मेट्रोजिल एवं जिंक की कमीं है। | प्रभारी चिकित्सा अधिकारी | सी0एम0ओ0–लखनऊ |

दिनांक 31.05.2018 वीरांगना अवन्तीबाई महिला चिकित्सालय–लखनऊ

- सर्वप्रथम मुख्य चिकित्सा अधिकारी–लखनऊ के साथ बैठक की गई, उनको माल सी0एच0सी0 एवं वी0एच0एन0डी0 सत्र मिर्जापुर के भ्रमण का फीडबैक दिया गया।
- तत्पश्चात वीरांगना अवन्ती बाई महिला चिकित्सालय की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका के निर्देशानुसार डॉ0 वन्दना मौर्या, हॉस्पिटल मैनेजर के साथ चिकित्सालय का भ्रमण किया गया।
- चिकित्सालय की साफ–सफाई सुचारु रूप से की जा रही थी। बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण नियमानुसार किया जा रहा था। कलर कोड वाले बिन (पीला, लाल एवं नीला) बायो मेडिकल वेस्ट योजना के अनुसार रखे गये थे।
- सेवा प्रदाता मेसर्स बिलीव सोलूशन तथा मैकेनाइज्ड एवं गार्डेनिंग हेतु यू0पी0एच0एस0एस0पी0 द्वारा चयनित मेसर्स सन फैसिलिटी द्वारा कार्य सुचारु रूप से किया जा रहा था।
- बायोमेडिकल वेस्ट की लॉग बुक चिकित्सा इकाई पर उपलब्ध थी तथा नियमानुसार भरी जा रही थी। बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण हेतु पिट की व्यवस्था मेसर्स बिलीव सोलूशन द्वारा उपलब्ध कराई गई थी।
- चिकित्सा इकाई में बायोमेडिकल वेस्ट सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया जा रहा था। मशीनीकृत साफ–सफाई का कार्य प्रतिदित दो बार किया जा रहा था। चिकित्सा इकाई पर लॉण्ड्री की व्यवस्था अनियमित पाई गई।
- प्रसव कक्ष में डॉ0 अमिताभ श्रीवास्तव, एनेस्थेटिस्ट, श्रीमती सुरेखा मिश्रा, स्टाफ नर्स तथा अन्य स्टाफ तैनात था। डॉ0 अमिताभ द्वारा लेबर रूम के उपकरणों एवं औषधियों को दिखाया गया। समस्त आवश्यक उपकरण एवं औषधियां उपलब्ध थे। न्यू बॉर्न केयर कॉर्नर उपलब्ध थे।
- प्रसव कक्ष में उपलब्ध पार्टोग्राफ लेबर रजिस्टर, स्टाफ नर्स रजिस्टर, ड्यूटी रजिस्टर, न्यू बॉर्न रजिस्टर आदि सही पाये गये। 102 एवं 108 एम्बुलेन्स का रजिस्टर अनियमित पाया गया।
- 18 बेड का एस0एन0सी0यू0 कियाशील है। एस0एन0सी0यू0 में डॉ0 मंजू स्टाफ नर्स उपलब्ध थीं। एफ0बी0एन0सी0 प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका था तथा न्यू बॉर्न स्क्रीनिंग की जा रही थी।
- 2 कक्षों में कंगारू मदर केयर कियाशील है, जिसके लिए माताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है एवं उसका अनुपालन किया जा रहा है।
- साइनेजेज यथोचित स्थान पर प्रदर्शित नहीं थे।
- कतिपय कमरों के दरवाजों पर नम्बर प्लेट उपलब्ध नहीं थे।
- खतरा प्रदर्शित करने हेतु किसी प्रकार का साइनेज बोर्ड उपलब्ध नहीं था।
- इम्युनाइजेशन जे0एस0वाई0/जे0एस0एस0के0/पी0सी0पी0एन0डी0टी0 ऐक्ट/परिवार नियोजन के पोस्टर सुचारु रूप से प्रदर्शित थे।
- कूड़ेदान, धूम्रपान निषेध, पार्किंग एरिया आदि साइनेजेज भी उपलब्ध नहीं थे।
- आर0के0एस0 फण्ड अपडेटेड था। जिला महिला चिकित्सालय का मुख्य बैंक एकाउन्ट का पी0एफ0एम0एस0 लॉग मैनुअल बैंक बुक अपडेटेड पाया गया।

उक्त भ्रमण में पाई गई कमियों को सक्षम स्तर से कराने के सम्बन्ध में डॉ0 वन्दना मौर्या, हॉस्पिटल मैनेजर को निर्देशित किया गया। डॉ0 वन्दना मौर्या द्वारा अवगत कराया गया कि क्वालिटी एश्योरेन्स कार्यक्रम के अंतर्गत कायाकल्प अवार्ड हेतु चिकित्सालय को तैयार किया जा रहा है, जिसके लिए त्रैमासिक इन्टर्नल असेसमेन्ट का आयोजन किया जाता है।